>

Title: Problems faced by the people living below poverty line in the country.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): मैडम, एक बड़ा महत्वपूर्ण मसला पूरी कंट्री के लिए है, लेकिन मैं अपने स्टेट में जो दिक्कतें महसूस कर रहा हूं, उस बारे में आपके माध्यम से कहना चाहता हूं। मैं एक उदाहरण दूंगा कि बीपीएल का एक परिवार राशन ले रहा है, जब आईएवाई का मकान लेना है तो उस आदमी को नहीं मिल रहा। एक आदमी आईएवाई का मकान ले रहा है, लेकिन उसे बीपीएल का राशन नहीं मिल रहा। यह बड़ी विडम्बना और अफसोसजनक बात है। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जिस आदमी ने बीपीएल बनाया और गलत बनाया, जिसकी वेरीफिकेशंस हो रही हैं, उसे कोई सजा नहीं मिल रही है, जो बीपीएल रह गया, उसे न मकान एवं राशन मिल पाया, उसे कोई सुविधा नहीं मिल पाई।

मैडम, मेरा कहने का मकसद यह है कि जो लोग इस तरीके से गलत किस्म के बीपीएल बना कर सही आदमी को इग्नोर करते हैं, जब तक आप उन्हें ठीक नहीं करेंगे तब तक आपका बीपीएल सर्वे बेमतलब है। जो एजेंसी बीपीएल करती है, उसमें राशन और मकान भी मिले, यह मेरी विनती है। धन्यवाद।